# "नई शिक्षा नीति" पर कार्यशालाल का प्रतिवेदन

शासकीय चन्दूलाल चन्द्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन, जिला–दुर्ग में दिनांक 23/09/2015 को समय 11:00 बजे मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा नई शिक्षा नीति के संबंध में एक कार्यशाला का अयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रुप में श्री हर्ष भाले जनभागीदारी अध्यक्ष उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रुप में श्री कृष्णा भाले, नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष, श्रीमती हर्षा लोकमणि चन्द्राकर अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन, श्रीमती निशा सोनी वार्ड पार्षद 11 उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ सरस्वती पूजन से प्रारीा हुआ। इस कार्यशालाल में शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही है।

इसमें विशेषकर जनभागीदारी समिति सदस्यगण श्री मनोज कुमार साहू, अखिलेश मिश्रा, डॉ संतराम कुंभकार, मंगल तारे, राजकुमार देवांगन पार्षद, केशव बंछोर, नितेश तिवारी उपस्थित थे।

इसके अलावा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण, ग्रंथपाल, कीड़ाअधिकारी जनभागीदारी सहायक प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन ने किया। महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री हर्ष भाले ने कार्यक्रम के प्रारंभ में नई शिक्षा नीति पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तावित नीति में सबको शिक्षा का अधिकार मिले। शिक्षा ज्ञानोपयोगी हो तथा शिक्षा का उपयोग अपने जीविका अर्जन में हो सके। शिक्षा का अर्थ केवल रोजगार प्राप्ति नहीं है। शिक्षा के माध्यम से मनुष्य में जीवन कौशल उत्पन्न होता है जो मनुष्य के लिए रचनात्मक कार्य करता है। कार्यक्रम की अगली कड़ी के रुप में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार भाले ने भी संबोधन किया। आपने कहा कि यह महाविद्यालय प्रारंभ में दो कमरे से वर्ष 1989 मे प्रारंभ हुआ था। आज स्वयं का भवन है।तथा कई विषयों में स्नातकोत्तर कक्षायें खुल चुकी है। शिक्षा का लगातार प्रसार हो रहा है। जनभागीदारी समिति के गठन से महाविद्यालय के विकास में गति आई है। जनभागीदारी समिति के गठन से महाविद्यालय में शिक्षा के लिए बजट प्रावधान एवं फंड एकत्रण में सुविधा होती है। आज इसी फंड से महाविद्यालय में कई स्ववित्तीय कोर्स संचालित है। आगे और उन्नति की कामना है।

संचालक डॉ. शकील हुसैन ने इस कार्यशाला में आमंत्रित छात्रों एवं शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया। इसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों प्रो. रुखमणी साहू, प्रो. डी.के. भारद्वाज ने भी अपने विचार रखे। जनभागीदारी कोर्स के संचालन में आने वाली कठिनाईयों को जिक किया। इसके साथ ही पी.जी.डी.सी.ए. और स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राओं ने निम्न बिन्दुओं पर अपने विचार रखे–

1. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना
2. शिक्षा का तकनीकी प्रसार
3. शिक्षा के लिए भविष्य की चुनौतियॉ
4. सकल शिक्षा अनुपात में वृध्दि के उपाय
5. आंचलिक और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार में चुनौतियॉ

अंत मे यह आशा की गई की प्रस्तावित नई शिक्षा नीति में उपरोक्त सभी मुद्दों और चुनौतियों से निपटने के पूरे प्रयास की आवश्यकता है।

Principal
Govt.C.L.C.Arts and Science
College Patan, Distt.-Durg (C.G.)